



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 285]  
No. 285]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 26, 1992/आषाढ़ 5, 1914  
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 26, 1992/ASADHA 5, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन की रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विस्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून, 1992

सं. 231/92-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 638 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, 1,000 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता के मोटर यानों (जिनके अंतर्गत वाणिज्यिक मोटर यान, मोटर कार, तिपहिया मोटर यान और बुपहिया मोटर यान नहीं हैं) के विनिर्माण के लिए अपेक्षित मोटर यानों के संघटकों को (जिनके अंतर्गत अर्ध तैयार हालत और पूर्ण रूप से तैयार हालत में मोटर यानों के संघटक भी हैं) -

(क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्-ग्रहणीय उत्तरे सीमाशुल्क से जितना मूल्य के 40 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है ; और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त प्रतिद्विष्ट शुल्क से,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :-

(i) इसमें अंतर्बिष्ट छूट 1,000 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता के मोटर यानों के (जिनके अंतर्गत वाणिज्यिक मोटर यान, मोटर कार, तिपहिया मोटर यान और बुपहिया मोटर यान नहीं हैं) के विनिर्माण के लिए अपेक्षित मोटर

यानों के केवल उन्हीं संघटकों को (जिनके अंतर्गत अर्ध तैयार हालत और पूर्ण रूप से तैयार हालत में मोटर यानों के संघटक भी हैं) लागू होगी जो तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार के अनिम्न पंक्ति के किसी अधिकारी के प्रमाणित सूत्रियों के अंतर्गत आते हैं ;

(ii) आयातकर्ता, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष इस आशय का साक्ष्य करना है कि उक्त संघटकों का ऐसे मोटर यानों के विनिर्माण के लिए उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) और तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित कार्यक्रम के अधीन ऐसे आयातकर्ता का आयात किया गया है ; और

(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक बचनबंध देता है कि—

(क) उक्त आयातित संघटकों का उपयोग उपरोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जायेगा ;

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में प्राप्त और रखपत किये गये उक्त आयातित संघटकों का लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में रखा जायेगा ;

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसरों में उक्त संघटकों के प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाण ऐसे लेखा का उद्धारण तीन मास की अवधि या बढाई गयी ऐसी अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे प्रस्तुत करेगा ; और

(घ) वह उपरोक्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर ऐसी रकम का संदाय करेगा जो यदि इसमें अन्तर्विष्ट छुट न दी गयी होती तो उस आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के बीच अंतर के बराबर हो ।

(2) इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छुट 1,000 घन सेंटीमीटर से अनधिक इंजन क्षमता के मोटर यानों के (जिनके अंतर्गत वाणिज्यिक मोटर यान, मोटर कार, तिपहिया मोटर यान, दुपहिया मोटर यान नहीं हैं) के विनिर्माण के लिए अपेक्षित केवल उन्हीं मोटर यान के संघटकों को (जिनके अंतर्गत अर्ध तैयार हालत और पूर्ण रूप से तैयार हालत में मोटर

यानों के संघटक भी हैं) लागू होगी जो उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) उप सचिव ने अनिम्न पंक्ति के किसी अधिकारी द्वारा ईंधन दक्ष मोटर यान प्रमाणित किये जाते हैं ।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए, "ईंधन दक्ष मोटर यान" से 1,000 घन सेंटीमीटर से अनधिक इंजन क्षमता का पेट्रोल चालित मोटर यान (जिसके अंतर्गत वाणिज्यिक मोटर यान, मोटर कार, तिपहिया मोटर यान और दुपहिया मोटर यान नहीं हैं) अभिप्रेत है जो प्रति लिटर पेट्रोल में कम से कम 19 किलोमीटर चलता है ;

और जो अहमदनगर (महाराष्ट्र) स्थित रक्षा मंत्रालय के यान अनुसंधान विकास स्थापन या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किये गये परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ईंधन दक्षता परीक्षण कहा गया है (उद्योग मंत्रालय) औद्योगिक विकास विभाग) के उप सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा तदनुसार प्रमाणित किया जाता है और जिसमें निम्नलिखित को ध्यान में रखा जायेगा, अर्थात् :—

(क) ईंधन दक्षता परीक्षण 50 किलोमीटर प्रति घंटे की अवस्थिती गति से पेट्रोल का प्रयोग करके 500 किलोग्राम भार योग से किया जायेगा जिसका ब्राकटेन लेवल 87 से अधिक नहीं है ;

(ख) ईंधन दक्षता परीक्षण किसी विशिष्ट लेवल परीक्षण पथ पर कम से कम एक किलोमीटर दूरी तक किया जायेगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाने होंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्र तल की ऊंचाई और + 25° से. परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किये जायेंगे ;

(ग) विस्तृत ईंधन दक्षता परीक्षण प्रक्रिया वह होगी जो उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए ।

[फा.सं. बी-25/4/92-टी.आर. यू.]

राजीव गर्मा, अव्वर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th June, 1992

No. 231/92-CUSTOMS

GSR. 638(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components of motor vehicles including components of motor vehicles in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) required for the manufacture of motor

vehicles of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres (excluding commercial motor vehicles, motor cars, three-wheeled motor vehicle and two wheeled motor vehicles) from—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 40 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

Subject to the following conditions, namely:—

- (i) the exemption contained herein shall be applicable only to those components of motor vehicles (including components of motor vehicles in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development to be required for the manufacture of motor vehicles of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres (excluding commercial motor vehicles, motor cars, three-wheeled motor vehicles and two wheeled motor vehicles);
- (ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said components have been imported by such importer under a programme duty approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) and the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development for the manufacture of such motor vehicles.
- (iii) the importer furnishes an undertaking to the effect that—
  - (a) the said components shall be used for the purpose specified above;
  - (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
  - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
  - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

2. The exemption contained in this notification shall be applicable only to those components of motor vehicles (including components of motor vehicles in semi knocked down packs and completely knocked down packs) required for the manufacture of motor vehicles of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres (excluding commercial motor vehicles, motor cars, three-wheeled motor vehicles and two-wheeled motor vehicles), which are certified to be fuel efficient motor vehicles by an officer not below the rank of a Deputy Secretary to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development).

Explanation: For the purpose of this notification, "fuel-efficient motor vehicles", means a petrol driven motor vehicle of engine capacity not exceeding 1,000 cubic centimetres (excluding commercial motor vehicles, motor cars, three-wheeled motor vehicles and two-wheeled motor vehicles) which runs not less than 19 kilometres per litre of petrol; and is certified accordingly by an officer not below the

rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following namely:—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted with a pay load of 500 kilograms using petrol having an octane level and exceeding 87 of a steady speed of 50.
- (b) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to plus 25°C ambient temperature.
- (c) detailed fuel efficiency testing procedures shall be as specified by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development).

[F. No. B-25/4/86-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून, 1992

सं. 232/92-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 639 (अ) — केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, माल को (कच्ची सामग्रियों से भिन्न) जब उसका इससे उपावद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के मोटरवानों के संवर्दों के विनिर्माण के लिए भारत में आयात किया जाए:—

(क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने सीमाशुल्क से जितना मूल्य के 40 प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है; और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

- (i) इस अधिसूचना में अतिरिक्त छूट 1000 घन सेमी. से अधिक के इंजन क्षमता के ऐसे मोटरवानों के (जिनके अंतर्गत वाणिज्यिक मोटरवाहन, मोटरकार, निपटिया मोटरवाहन और दुपटिया मोटरवाहन हो रहे) विनिर्माण में प्रयोग के लिए अपेक्षित केवल उसी मात्रा (कच्ची सामग्रियों से भिन्न) को लागू होगी जो तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार से अनिवार्य पंक्ति के अधिकारों द्वारा प्रामाणित सूचियों के अंतर्गत आते हैं;

- (ii) आयातकर्ता सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष इस आशय का साक्ष्य पेश करता है कि उक्त माल (कच्ची सामग्री से भिन्न) का उक्त संघटकों के विनिर्माण के लिए उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) और तकनीकी विकास महानिदेशालय में औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित कार्यक्रम के अधीन ऐसे आयातकर्ता द्वारा आयात किया गया है, और
- (iii) आयातकर्ता इस आशय का एक वचनबंध देगा कि—
- (क) उक्त आयातित माल (कच्ची सामग्री से भिन्न) का उपयोग उपरोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जायेगा;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में प्राप्त और खपत किए गए उक्त आयातित माल का लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसरों में उक्त आयातित माल की प्राप्ति के साक्ष्यस्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखा का तीन मास की अवधि या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, उद्धरण प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह उपरोक्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर ऐसी रकम का संदाय करेगा जो यदि इसमें अंतर्विष्ट छूट न दी गई होती तो उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के बीच अंतर के बराबर हो।

#### सारणी

क्रम सं.	संघटकों का वर्णन
(1)	(2)
1.	कारबोरेटर्स
2.	ऑटो इलेक्ट्रिकल्स, अर्थात् :—
	(i) स्टार्टर मोटर
	(ii) मास्टरनेटर/संयंत्र
	(iii) वोल्टेज रगुलेटर
	(iv) वाइपर समूह्य जिसके तर्गत वाइपर मोटर भी है
	(v) हेड लैप समंजन
	(vi) वाइरिंग हार्नेस

(1) (2)

3. स्टीयरिंग गियर समंजन जिसके अंतर्गत टूटवार और पाउडर्ड स्टीयरिंग गियर; स्टीयरिंग बंधनी, टाई राड एण्डम और धूरी समंजन है;
4. क्लच समंजन
5. ब्रेक समंजन
6. गियर बायस
7. शॉक एब्जोर्वर्स
8. डैश बोर्ड समंजन
9. इंजन
10. जलपम्प/ताप स्थिरक
11. मफलर
12. पिस्टन समंजन
13. प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिज्वालक
14. वायु/तेल/ईंधन फिल्टर समंजन
15. स्वचालित बल्ब समंजन
16. पंखा मोटर
17. मैक फेरसन स्ट्रट्स
18. वितरक समंजन
19. ईंधन/ऑयल पम्प

2. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट व्यक्तियों के परिवहन के लिए 1000 घन सेंमी. से अनधिक की ईंधन क्षमता के ऐसे मोटरयानों के (जिनके अंतर्गत वाणिज्यिक मोटरयान, मोटरकार, लिपहिया मोटरयान और बुपहिया मोटरयान नहीं हैं) विनिर्माण में प्रयोग के लिए उक्त संघटकों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित केवल उसी माल (कच्ची सामग्री से भिन्न) को लागू होगी जिसे भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप सचिव से अनिवार्य पंक्ति के किसी अधिकारी द्वारा ईंधन-दक्ष मोटरयान प्रमाणित किया गया है।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "ईंधन-दक्ष मोटरयान" से पेट्रोल चालित मोटरयान (जिसके अंतर्गत वाणिज्यिक मोटरयान, मोटरकार, लिपहिया मोटरयान और बुपहिया मोटरयान नहीं हैं) अभिप्रेत है जो प्रति पेट्रोल लीटर में कम से कम 19 किलोमीटर चलता है और जिसे ग्रहमद नगर (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान स्थापन या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ईंधन दक्षता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उपसचिव



से अनिवार्य पंक्ति के किसी अधिकारी द्वारा तदनुसार प्रमाणित किया गया है और जिसमें निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा गया है, अर्थात् :-

- (क) ईंधन-दक्षता परीक्षण 50 कि.मी. प्रति घंटा की अपरिवर्ती गति से पेट्रोल का उपयोग करके 500 किमी. भार योग से किया जायेगा जिसका आकटेन केवल 87 से अधिक नहीं है ।
- (ख) ईंधन दक्षता परीक्षण किसी विशेष लेबल परीक्षण पथ पर कम से कम एक किलोमीटर की दूरी तक किए जायेंगे और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाये जायेंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्र तल की ऊंचाई और + 25 मी. से परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किए जायेंगे ।
- (ग) विस्तृत ईंधन दक्षता परीक्षण प्रक्रिया वैसी होंगी जो उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) द्वारा विनिर्दिष्ट की जाये ।

[फा.सं. बी-25/4/92-टीआरएयू]

राजीव शर्मा, अवर सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th June, 1992

NO. 232/92-CUSTOMS

**GSR 639(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (other than raw materials) when imported into India, for the manufacture of components of motor vehicles of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed, from—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 40 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely :—

- (i) the exemption contained in this notification shall be applicable only to those goods (other than raw materials) which are covered by the lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development to be required for use in the manufacture of motor vehicles of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres (excluding commercial motor vehicles, motor cars, three-wheeled motor vehicles and two-wheeled motor vehicles);
- (ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said goods (other than raw materials) have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) and the Industrial Adviser or the Additional

Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry for the manufacture of the said components; and

- (iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—
- (a) the said imported goods (other than raw materials) shall be used for the purpose specified above;
- (b) on account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

TABLE

Sl. No.	Description of the components
(1)	(2)
1	Carburettors
2	Auto Electricals, namely :—
	(i) Starter Motor
	(ii) Alternator/Generator
	(iii) Voltage Regulator
	(iv) Wiper assembly including wiper motor
	(v) Head Lamp Assembly
	(vi) Wiring Harness
3	Steering gear assembly including collapsible and powered steering gear; steering linkage, tie rod ends and axle assembly
4	Clutch Assemblies
5	Brake Assemblies
6	Gear Box
7	Shock Absorbers
8	Dash Board Assemblies
9	Engine
10	Water Pump/Thermostats
11	Mufflers
12	Piston Assembly
13	After burners for pollution control
14	Air/Oil/fuel filter assemblies
15	Auto bulb assemblies
16	Fan Motors
17	Mac Pherson struts
18	Distributor Assembly
19	Pack/Oil Pumps

2. The exemption contained in this notification shall be applicable only to those goods (other than raw materials) required for the manufacture of the said components for use in the manufacture of motor vehicles of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres (excluding commercial motor vehicles, motor cars, three-wheeled motor vehicles and two-wheeled motor vehicles), which are certified to be fuel-efficient motor vehicles by an officer not below the rank of a Deputy Secretary to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development).

Explanation : For the purposes of this notification, "fuel-efficient motor vehicles" means, a petrol driven motor vehicle (excluding commercial motor vehicles, motor cars, three-wheeled motor vehicles and two-wheeled motor vehicles, which runs not less than 19 kilometres per litre of petrol and is certified accordingly by an officer not below the rank of Deputy Secretary to the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development, on the basis of the tests (hereinafter referred to as Fuel Efficiency Test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra) having regard to the following namely :—

- the fuel efficiency test shall be conducted with a payload of 500 kilograms using petrol having an octane level not exceeding 87 at a steady speed of 50 kilometres per hour;
- the fuel efficiency tests shall be carried out on a selected level of test track for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25 degree Centigrade ambient temperature;
- detailed fuel efficiency testing procedures shall be as specified by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development).

[F.No. B-25/4/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून, 1992

सं. 233/92—सीमाशुल्क

सा.का.नि. 640 (अ):—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1992 (1992 का 16) की धारा 111 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 194/92—सीमाशुल्क, तारीख 14 मई, 1992 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में क्रम सं. 75 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

"76. सं. 231—सीमाशुल्क, तारीख 26 जून, 1992

77. सं. 232—सीमाशुल्क, तारीख 26 जून, 1992"

[फा.सं. बी-25/4/92—टी.आर.यू.]

राजीव शर्मा, अवसर सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th June, 1992

No. 233/92-CUSTOMS

G.S.R. 640(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 111 of the Finance Act, 1992 (18 of 1992), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 194/92-Customs, dated the 14th May, 1992, namely:—

In the Schedule annexed to the said notification, after S. No. 75 and the entry relating thereto, the following S. Nos. and entries shall be added, namely:—

"76. No. 231-Customs, dated the 26th June, 1992

77. No. 232-Customs, dated the 26th June, 1992".

[F. No. B-25/4/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून, 1992

सं. 234/92—सीमाशुल्क

सा.का.नि. 641 (अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 228/88—सीमाशुल्क, तारीख 1 अगस्त, 1988 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में, "30 जून, 1992" अंक और शब्द के स्थान पर "31 दिसम्बर, 1992" अंक और शब्द रखे जायेंगे।

[फा.सं. 463/63/86—सी.शु. V (टीआरयू)]

राजीव शर्मा, अवसर सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th June, 1992

No. 234/92-CUSTOMS

G.S.R. 641(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 228/88-Customs, dated the 1st August, 1988, namely:—

In the said notification, in paragraph 2, for the figures, letters and words "30th day of June, 1992", the figures, letters and words "31st day of December, 1992" shall be substituted.

[F. No. 463/63/86-Cus. V (TRU)]

RAJIV SHARMA, Under Secy

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून, 1992

सं. 235/92 सीमाशुल्क

सा. का. नि. 642 (अ) :—केन्द्रीय सरकार वित्त अधिनियम, 1992 (1992 का 18) की धारा 111 की उप-धारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है यह निदेश देती है कि इससे उपाबद्ध सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के यथास्थिति वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक अधिसूचना उक्त सारणी के स्तंभ (3) में की तत्स्थायन प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति में संशोधन किया जाएगा।

## सारणी

क्रम सं.	अधिसूचना सं. और तारीख	संशोधन						
(1)	(2)	(3)						
1.	191/92-सीमाशुल्क तारीख 14 मई, 1992	उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में क्रम सं. 5 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—						
		<table> <tr> <th>(1)</th><th>(2)</th><th>(3)</th></tr> <tr> <td>"5ए</td><td>26</td><td>जस्ता की भस्म"</td></tr> </table>	(1)	(2)	(3)	"5ए	26	जस्ता की भस्म"
(1)	(2)	(3)						
"5ए	26	जस्ता की भस्म"						
2.	193/92 सीमाशुल्क तारीख 14 मई, 1992	उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में क्रम सं. 3 के सामने स्तम्भ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर "जस्ता ड्रास और अवशिष्ट" प्रविष्टि रखी जाएगी।						

[फा. सं. 332/11/91-टी आर यू]

राजीव शर्मा, अवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 26th June, 1992

No. 235/92-Customs

G.S.R. 642(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 111 of the Finance Act, 1992 (18 of 1992), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the table hereto annexed, shall be amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

## TABLE

S. Notification No. and date	Amendment
(1)	(2)
1. 191/92-Customs dated the 14th May, 1992	In the Table annexed to the said notification, after S. No.

(1)	(2)	(3)
		5, and the entries relating thereto, the following S. No. and entries shall be inserted, namely :—
(1)	(2)	(3)
"5A.	26	Zinc Ash"
2. 193/92-Customs, dated the 14th May, 1992		In the Table annexed to the said notification, against S. No. 3, in col. (3) for the entry, the entry "Zinc gross and residues of zinc" shall be substituted.

[F. No. 332/11/91-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून, 1992

सं. 75/92 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 643(म):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5A की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 34/92-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1992 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड सारणी में क्रम सं. 16 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

(1)	(2)	(3)	(4)
"16ए	7217.90	लौह या अभिश्रातु के तार, आधारी धातुओं से लेपित या विलेपित हैं	1000 रु. प्रति टन"

[फा. सं. 332/21/92-टी आर यू]

राजीव शर्मा, प्रवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 26th June, 1992

No. 75/92-Central Excises

G.S.R. 643 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 34/92-Central Excises, dated the 1st March, 1992, namely:—

In the Table annexed to the said notification, after S. No. 16 and the entries relating thereto, the following S. No. and entries shall be inserted, namely:—

(1)	(2)	(3)	(4)
"16A.	7217.90	Wire of iron or non-alloy steel, plated or coated with base metals.	Rs. 1000 per tonne".

[F.No. 332/21/92-TRU]  
RAJIV SHARMA, Under Secy.